मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

अनुक्रमांक

नाम ...

102

302(DL)

2024

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

1. क) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक थे

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) प्रतापनारायण मिश्र iv) कार्तिक प्रसाद खत्री । 1

ख) द्विवेदी-युग के लेखक हैं

i) सदल मिश्र ii) मोहन राकेश

iii) अध्यापक पूर्ण सिंह iv) रामचन्द्र शुक्ल 1

ग) 'ध्रुवस्वामिनी' किस विधा की रचना है ?

i) कहानी ii) नाटक

iii) उपन्यास iv) आत्मकथा 1

घ) 'विकलांग श्रद्धा का दौर' निबन्ध-संग्रह के लेखक हैं

i) डॉ० नगेन्द्र ii) हरिशंकर परसाई

iii) जैनेन्द्र कुमार iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी 1

ङ) हिन्दी के प्रथम डायरी लेखक हैं

i) धीरेन्द्र वर्मा ii) सुन्दरलाल त्रिपाठी

iii) घनश्यामदास बिड़ला iv) नरदेव शास्त्री 'वेदतीर्थ' 1

2. क) भारतेन्दुयुगीन कवि हैं

i) जयशंकर प्रसाद

ii) भवानी प्रसाद मिश्र

iii) मैथिलीशरण गुप्त

iv) प्रताप नारायण मिश्र 1

ख) छायावाद युग की कृति है

i) 'साकेत'

ii) 'कामायनी'

iii) 'प्रिय प्रवास'

iv) 'रामचन्द्रिका' 1

ग) 'पवन-दूतिका' काव्यांश के रचयिता हैं

i) महादेवी वर्मा

ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) सुमित्रा नन्दन पन्त 1

घ) प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषता नहीं है

i) अति बौद्धिकता

ii) व्यक्तिवाद

iii) प्रकृति का मानवीकरण

iv) उपमानों-प्रतीकों की नवीनता 1

ङ) 'समन्वय' पत्रिका के सम्पादक रहे हैं

i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

iv) धर्मवीर भारती 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

जन का प्रवाह अनंत होता है । सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है । जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है । इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र-निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए आज भी अजर-अमर हैं । जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) राष्ट्र-निवासी जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है ?

iv) प्रस्तुत गद्यांश लेखक की किस गद्य विधा की रचना है ?

v) 'संततवाही' और 'रश्मियाँ' का शब्दार्थ लिखिए ।

अथवा

न्यूनतम में गुजारा करने और जीवन के बिताने में भी निश्चित रूप से कोई हर्ज नहीं है । महात्मा गाँधी ने ऐसा ही जीवन जिया था, लेकिन जैसा कि उनके साथ था, आपके मामले में भी यह आपकी पसंद पर निर्भर करता है । आपकी ऐसी जीवन-शैली इसलिए है क्योंकि इससे वे तमाम जरूरतें पूरी होती हैं जो आपके भीतर की गहराइयों से उपजी होती हैं । लेकिन त्याग की प्रतिमूर्ति बनना और जोर-जबरदस्ती से चुनना-सहने का गुणगान करना अलग बातें हैं । हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है ।

i) दिये गये गद्यांश के शीर्षक एवं लेखक का नामोल्लेख कीजिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) मनुष्य को सदैव किस प्रकार की जीवन शैली अपनाना चाहिए ?

iv) लेखक महात्मा गाँधी के जीवन का उदाहरण देकर क्या स्पष्ट करना चाहता है ?

v) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या सन्देश देना चाहता है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

अपने जीवन का रस देकर जिसको यत्नों से पाला है -

क्या वह केवल अवसाद-मलिन झरते आँसू की माला है ?

वे रोगी होंगे प्रेम जिन्हें अनुभव-रस का कटु प्याला है -

वे मुर्दे होंगे प्रेम जिन्हें सम्मोहनकारी हाला है

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कवि ने किन्हें मुर्दा कहा है ?

iv) 'अवसाद' और 'सम्मोहन' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

v) कवि के अनुसार जीवन की सार्थकता किसमें निहित है ?

अथवा

जो प्यारे मंजु उपवन या वाटिका में खड़े हों ।
छिद्रों में जा क्वणित करना वेणु-सा कीचकों को ।
यों होवेगी सुरति उनको सर्व गोपांगना की ।
जो हैं वंशी श्रवण-रुचि से दीर्घ उत्कंठ होतीं ।।
ला के फूले कमल दल को श्याम के सामने ही ।
थोड़ा-थोड़ा विपुल जल में व्यग्र हो हो डुबाना ।
यों देना ऐ भगिनी जतला एक अंभोजनेत्रा ।
आँखों को हो विरह-विधुरावारि में बोरती है ।।

i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) उपर्युक्त पद्यांश के आधार पर राधा श्रीकृष्ण को पवन दूतिका से अपनी याद किस प्रकार दिलाने को कहती है ?

iv) 'भगिनी' और 'कीचक' के शब्दार्थ लिखिए ।

v) 'वेणु-सा' शब्द में प्रयुक्त अलंकार लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हरिशंकर परसाई

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) महादेवी वर्मा

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।

6. 'लाटी' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य की विवेचना कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर इसके नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी-चीर हरण' की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर उसकी नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के किस सर्ग में 'नमक सत्याग्रह' का वर्णन है ? उस सर्ग का कथासार प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' में कौन-सा चरित्र आपको सर्वाधिक प्रभावित करता है और क्यों करता है ? उसकी प्रमुख चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर उसके प्रमुख नारी पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7

संस्कृतस्य साहित्यं सरसं, व्याकरणञ्च सुनिश्चितम् । तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम् अद्वितीयं श्रुति माधुर्यञ्च वर्तते । किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृत वाङ्मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत् । मूलभूतानां मानवीय गुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी । दया, दानं, शौचं, औदार्यम्, अनुसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सञ्जायन्ते ।

अथवा

महापुरुषाः लौकिक-प्रलोभनेषु बद्धाः नियतलक्ष्यान्न कदापि भ्रश्यन्ति । देशसेवानुरक्तोऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातुं नाशक्नोत् । पण्डित मोतीलाल नेहरू-लालालाजपत राय प्रभृतिभिः अन्यैः राष्ट्रनायकैः सह सोऽपि देशस्य स्वतन्त्रतासंग्रामेऽवतीर्णः । देहल्यां त्रयोविंशति तमे कांग्रेसस्याधिवेशनेऽयम् अध्यक्षपदमलङ्कृतवान् ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी **एक** का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम् ।।

अथवा

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) आँखों में खून उतर आना
(ii) अपनी अपनी ढफली अपना अपना राग
(iii) ईंट से ईंट बजाना
(iv) आगे नाथ न पाछे पगहा ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 + 2 + 2 = 5

यह सत्य है कि उम्र के अन्तिम पड़ाव पर वरिष्ठ नागरिकों की अपनी अनेक शारीरिक व्याधियाँ सिर उठा लेती हैं, परन्तु यह उनकी वास्तविक समस्या नहीं है । उनकी वास्तविक समस्या मानसिक है । यह मान लिया जाता है कि अब व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा, चाहे वह स्वस्थ ही क्यों न हो । जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता में कमी आती है, वह सामाजिक रूप से भी अनुपयोगी मान लिया जाता है । वह समाज एवं परिवार की नज़रों में 'बोझ', 'अनुपयोगी' तथा 'फालतू' मानने से उसे मानसिक पीड़ा होती है ।

(i) वरिष्ठ नागरिकों की वास्तविक समस्या क्या है ?
(ii) वरिष्ठ नागरिक को सामाजिक रूप से अनुपयोगी क्यों मान लिया जाता है ?
(iii) वरिष्ठ नागरिक को क्या-क्या मानने से मानसिक पीड़ा होती है ?

अथवा

भाषा संस्कृति की संरक्षक एवं वाहक होती है । भाषा की गरिमा नष्ट होने से उस स्थान की सभ्यता और संस्कृति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । प्रत्येक देश की पहचान का एक मजबूत आधार उसकी अपनी भाषा होती है, जो अधिक से अधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जानेवाली भाषा के रूप में व्यापक विचार-विनिमय का माध्यम बनकर ही राष्ट्रभाषा (यहाँ राष्ट्रभाषा का तात्पर्य है – पूरे देश की भाषा) का पद ग्रहण करती है । राष्ट्रभाषा के द्वारा आपस में सम्पर्क बनाए रखकर देश की एकता एवं अखण्डता को भी कायम रखा जा सकता है । हिन्दी देश की सम्पर्क भाषा तो है ही, इसे राजभाषा का वास्वतिक सम्मान भी दिया जाना चाहिए ।

(i) संरक्षक और 'वाहक' शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ii) लेखक के अनुसार राष्ट्रभाषा से क्या तात्पर्य है ?

(iii) देश की एकता और अखण्डता बनाए रखने के लिए क्या आवश्यक है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) मेघ-मेध –

(अ) बादल और कील (ब) बादल और यज्ञ

(स) काला और बुद्धि (द) बादल और चर्बी 1

(ii) निर्वाण-निर्माण –

(अ) मृत्यु और बनावट (ब) वाण रहित और माण रहित

(स) मोक्ष और रचना (द) रचना और मोक्ष 1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पंचानन (ii) अज

(iii) कौशिक ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' चयन करके लिखिए :

(i) जिसके पास कुछ न हो –

(अ) अकिंचन (ब) गरीब

(स) भिक्षुक (द) तुच्छ 1

(ii) वह पत्र, जिसमें किसी को कोई काम करने का अधिकार दिया गया हो –

(अ) अनुमतिपत्र (ब) आज्ञापत्र

(स) अधिपत्र (द) परिपत्र 1

[Turn over

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) याज्ञवल्क ने कहा कि आत्म ज्ञानी ही सर्वज्ञ होता है ।

(ii) उसने कहा कि मैं चार भाई हैं ।

(iii) आपकी पुत्री प्रज्ञा गुणवान महिला है ।

(iv) प्रेम करना तलवार की नोक पर चलना है ।

12. (क) 'हास्य' रस अथवा 'वीर' रस का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए । 1 + 1 = 2

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'भ्रान्तिमान' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा पर लेखपाल पद की नियुक्ति हेतु अपने जनपद के जिला अधिकारी को एक आवेदन-पत्र लिखिए । 2 + 4 = 6

अथवा

अपनी गली की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) मानव कल्याण में रोबोट (यंत्र मानव) की भूमिका ।

(ii) नयी शिक्षा नीति-2020 की प्रमुख विशेषताएँ

(iii) विद्यालय में पुस्तकालय का महत्व

(iv) भारतीय चुनाव प्रणाली ।

302(DL) - 2,73,000